सामुदायिक स्वास्थ्य शिक्षा में संभावना

भारत डोगरा

भारत सरकार सामुदायिक स्वास्थ्य में बीएससी का नया कोर्स आरंभ करने की तैयारियां कर रही है। इस प्रस्ताव को मंत्रिमंडल की स्वीकृति 13 नवंबर 2013 को प्राप्त हो गई है। उम्मीद है कि इससे एक ओर तो ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने में मदद मिलेगी तथा दूसरी ओर ग्रामीण प्रतिभाओं को स्वास्थ्य क्षेत्र में अधिक रोज़गार मिलेंगे। इस पहल को आगे ले जाने के लिए सरकार पर दबाव बनना चाहिए ताकि इसमें अधिक देर न हो।

हमारे देश में स्वास्थ्य का ढांचा तो नीचे से ऊपर तक खड़ा कर लिया गया है पर निचले स्तर पर जो उपस्वास्थ्य केंद्र व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बने हैं उनकी स्थिति अधिकतर स्थानों पर चिंताजनक है। ग्रामीण स्वास्थ्य के उप-केंद्र अभी काफी हद तक ए.एन.एम. के बल पर ही टिके हुए हैं। सरकार की योजना है कि इनमें सामुदायिक स्वास्थ्य के नए बीएससी कोर्स के स्नातकों को नियुक्त किया जाए जिससे ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को बहुत मज़बूती मिलेगी व राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन अपने लक्ष्यों को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकेगा।

मौजूदा योजना के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य के कोर्स के लिए ग्रामीण स्वास्थ्य स्कूल/कॉलेज की स्थापना की जाएगी जिन्हें ज़िला अस्पतालों के साथ जोड़ा जाएगा ताकि छात्रों को क्लीनिकल अनुभव प्राप्त हो सके। इन कॉलेजों से स्नातक परीक्षा पास करने वाले छात्रों को सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जा सकेगा।

इस कोर्स के पाठ्यक्रम को इस तरह से तैयार किया गया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी मौजूदा स्वास्थ्य कार्यक्रमों की ज़रूरतों के अनुकूल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। उम्मीद है कि वे स्वास्थ्य जागृति लाने, ग्रामीण स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों के समन्वय, बीमारियों की रोकथाम आदि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके अतिरिक्त वे अपेक्षाकृत आसान बीमारियों का इलाज भी कर पाएंगे तथा जटिल या गंभीर बीमारियों के लिए ज़रूरी आरंभिक व्यवस्था कर उन्हें आगे उचित स्थान पर इलाज के लिए रेफर कर सकेंगे।

किसी राज्य में कितने ग्रामीण स्वास्थ्य कॉलेज खोले जाएंगे इसका निर्णय राज्य सरकार करेगी। यह मानदंड रखा गया है कि 200 बिस्तरों का ज़िला अस्पताल है तो इससे 50 विद्यार्थियों को जोड़ा जा सकता है। इसके अतिरिक्त कुछ ज़रूरतों के लिए पास के मेडिकल कॉलेजों से भी ग्रामीण स्वास्थ्य कॉलेज को जोड़ा जा सकता है। सामुदायिक स्वास्थ्य कोर्स के पाठ्यक्रम को सुनियोजित ढंग से तैयार किया गया है व उम्मीद है कि इस तरह की शिक्षा प्राप्त स्नातक ग्रामीण स्वास्थ्य में बहुत उपयोगी भूमिका निभा पाएंगे। ***(स्रोत फीचर्स)***